

Programme: M.A. (Konkani)

Course Code: KON - 504

Number of Credits: 04

Title of the Course: कोंकणीचो भासविज्ञानीक अभ्यास

(Linguistic Study of Konkani)

Effective from AY: 2022-23

Prerequisites for the course:	विद्यार्थ्यांक मौखिक कोंकणीचे गिन्यान आसचें.	
Objective:	1. विद्यार्थ्यांक भासविज्ञानाची मुळावी वळख जावची आनी कोंकणीचो भासविज्ञानीक अभ्यास करपाची नदर मेळवी. 2. कोंकणी भासविज्ञानीक मला वयल्या आदल्या वावराची पडटाळणी, भाशीक/बोलयांच्या खाशेलेपणांची पुनर्मांडणी.	
Content:	<p>वरां</p> <p>1. भास आनी भासविज्ञान</p> <ul style="list-style-type: none">- भास म्हणल्यार कितें? भाशेचीं मुळावीं खाशेलेपणां.- भासविज्ञान म्हणल्यार कितें? भासविज्ञान आनी पारंपरीक व्याकरण.- भासविज्ञानाच्या आर्विल्या इतिहासाची उडटी वळख, भासविज्ञानाचो वापर. <p>2. भासविज्ञानाचीं मुखेल आंगां स्वनविज्ञान 'नाद' आनी 'स्वन', स्वन निर्मणेची प्रक्रिया; स्वर आनी व्यंजन: उच्चारण आनी वर्णन; अक्षर.</p> <p>अर्थविज्ञान अर्थ म्हणल्यार कितें? अर्थाच्यो सात तरा; उतरां भितरलीं नातीं; घटक विस्कटावणी.</p> <p>व्याकरण-विचार</p> <ul style="list-style-type: none">- स्वनीम-विचार (स्वनीम, स्वन, वांगडी-स्वन)- पद-विचार (रूपीम, रूपिका, वांगडी-रूपिका; उतर घडणुकेच्यो प्रक्रिया) (Inflection आनी Derivation); उतराचे बांदावळीक धरून भासांचें वर्गीकरण- वाक्य-विचार (कोंकणी वाक्यांत उतरांचो सभावीक क्रम: कोंकणी SOV भास; क्रियापद नाशिल्लीं वाक्यां) <p>3. भासविज्ञानाचे हेर फांटे - उडटी नदर इतिहासीक भासविज्ञान (भास-बदल); समाजभासविज्ञान (समाजभासविज्ञान आनी भाशेचे समाजशास्त्र); मनोविज्ञान; मानसभासविज्ञान; बोलीविज्ञान; कंप्युटर भासविज्ञान; अणकारविज्ञान, बी.</p> <p>4. कांय भासविज्ञानीक मुद्द्यांची विस्कटावणी 'व्यक्ती-बोली', 'आवय-भास', 'भाशीक-समाज'; भास आनी लिपी; भाशेकूळ (कोंकणीचे भाशेकूळ); भाशीक वाठार</p> <p>5. International Phonetic Alphabets (IPA) आयकप आनी सराव</p>	वरां 10 30 08 08 04

	वटू	60
Pedagogy	व्याख्यानां/tutorials/lab sessions/e-sources/स्वाध्याय/सादरीकरण	
References/Reading	<p>1. सरदेसाय, माधवी. भासाभास. प्रियोळ: जाग प्रकाशन, १९९३.</p> <p>2. गांवकार, भालचंद्र. भाषाविज्ञान. फोडे, गोय: मित्र प्रकाशन, १९९३.</p> <p>3. वेरेंकार, श्याम आनी हेर. (संपा.) कोंकणी भास, साहित्य आनी संस्कृताय. विद्यानगर, मडगांव. 403601.: कोंकणी भाशा मंडळ, मार्च 2003.(लेख: १, २, ३, ५, ६, ७, ८, १०, १२, १३, १४)</p> <p>4. गोयबाब, शाणै. कोंकणीची व्याकरणी बांदावळ – मुंबय: गोमंतक छापखानो, १९४९.</p> <p>5. Katre, S.M. <i>The Formation of Konkani</i>. Deccan College, 1966.</p> <p>6. Almeida, Mathew. <i>A Description of Konkani</i>. T.S.K.K., 1989.</p> <p>7. Robins, R.H. <i>General Linguistics: An Introductory Survey</i>. Longman (1964) 1980.</p> <p>8. गोविलकर, लीला. वर्णनात्मक भाषाविज्ञान. पुणे: आरती प्रकाशन, 1992.</p> <p>9. मालशे, मिलिंद. आधुनिक भाषाविज्ञान: सिद्धांत आणि उपयोजन, लोकवांडमय गृह, १९९५.</p> <p>10. तिवारी, भोलानाथ. भाषाविज्ञान, किताब महल, (१९५१) १९९१.</p> <p>11. सिंह, तिलक. नविन भाषाविज्ञान, नई दिल्ली: प्रकाशन संस्थान, १९८५.</p>	
Learning Outcomes:	<p>1. कोंकणी भाशेंतलीं स्वनिमां, रूपिमां, वाक्याचे घटक हांचे विशीं विद्यार्थीक गिन्यान मेळटा.</p> <p>2. कोंकणी भासविज्ञानीक मळा वयल्या संशोधन सुवातींची जाण जाता; भासविज्ञानीक मळार वावर करपाची उत्सुकताय निर्माण जाता.</p>	